

# Solutions Chapter 7 प्राणियों में संरचनात्मक संगठन

## Ques 1

निम्नलिखित के कार्य बताइए—

- (अ) मेढ़क की मूत्रवाहिनी
- (ब) मैत्रीधी नलिका
- (स) केचुए की देहभिति।

उत्तर—(अ) मेढ़क की मूत्रवाहिनी (Ureter of Frog)—ज़र मेढ़क में वृक्क से मूत्रवाहिनी निकलकर क्लोएका में खुलती है। यह मूत्रजनन नलिका का कार्य करती है। मादा मेढ़क में मूत्रवाहिनी तथा अण्डवाहिनी (oviduct) क्लोएका में पृथक्-पृथक् खुलती हैं। मूत्रवाहिनी वृक्क से मूत्र को क्लोएका तक पहुँचाती है।

(ब) मैत्रीधी नलिकाएँ (Malpighian tubules)—ये कीटों में पध्यान्त्र तथा पश्चान्त्र के सन्धितल पर पाई जाने वाली पीले रंग की धागे सदृश उत्सर्जी रचनाएँ होती हैं। ये उत्सर्जी पदार्थों को हीमोसील से ग्रहण करके आहारनाल में पहुँचाती हैं।

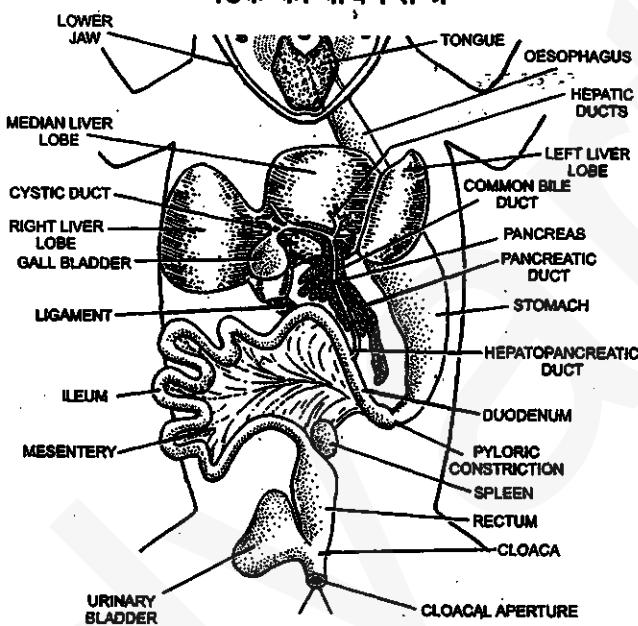
(स) केंचुए की देहभिति (Bodywall of Earthworm)—केंचुए की देहभिति नम तथा चिकनी होती है। यह श्वसन हेतु गैस विनिमय में सहायक होती है। देहभिति का श्लेष्म केंचुए के बिलों (सुरंग) की सतह को चिकना एवं मजबूत बनाता है।

Ques 2

मेढ़क के पाचन तन्त्र का नामांकित चित्र बनाइए।

उत्तर—

### मेढ़क का पाचन तन्त्र



चित्र—मेढ़क का पाचन तन्त्र।